संक्षिप्त समाचार

सीतापुर पहुंचे ब्रजेश पाठक: जिला अस्पताल के निरीक्षण में मिली खामियां

सवालों का जवाब नहीं दे पाए जिम्मेदार

सीतापुर , एजेंसी। यूपी के सीतापुर में शनिवार को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। सबसे पहले वह पर्चा काउंटर पर पहुंचे। वहां मरीजों ने बताया कि 50-50 रुपये लेकर पर्चा बनाया जा रहा है। जब उन्होंने अधिकारियों से इस बारे में पूछा तो जवाब देने की बजाय सब सन्न रह गए। इसके बाद उपमुख्यमंत्री ने पैथालॉजी का गेट बंद होने,

इमरजेंसी में एसी नहीं चलने पर फटकार लगाई। अव्यवस्थाओं पर जिम्मेदार डिप्टी सीएम के सवालों के जवाब नहीं दे पाए। इस दौरान उन्होंने एक मरीज को चिल्ड्रेन वार्ड में भर्ती करने का आदेश दिया।

मूर्ति अनावरण के दौरान हाथ में लगी कील उप मुख्यमंत्री ने आंख अस्पताल चौराहे पर अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति का अनावरण किया। इस दौरान उनके हाथ में कील लग गई। इस पर डॉ गौरव मिश्रा ने उनका उपचार किया। स्वास्थ्य सेवाओं में सीतापुर होगा अव्वल

इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत में डिप्टी सीएम ने कहा कि सीतापुर को स्वास्थ्य सेवाओं में अव्वल दर्जे पर लाना है। जिला अस्पताल में चिकित्सकों के खाली पद भरे जाएंगे। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बनी कमेटी शासन को रिक्त पदों की रिपोर्ट भेजेगी।

टंकी गिरने के मामले में होगी कठोर कार्रवाई

वहीं महमूदाबाद में पानी की टंकी गिरने के मामले में कहा कि इसकी जानकारी मिली है। लापरवाही में जो लोग भी लिप्त हैं उन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। कोरोना के बढ़ते मामलों पर कहा कि इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है। इस बार कोरोना केवल सर्दी, जुकाम, बुखार तक सीमित है। अस्पताल में आक्सीजन प्लांट चल रहे हैं। दवाओं व सुविधाओं की सुविधा बेहतर की गई है।

वैष्णो देवी जाने को फिर बढ़ा रुझान, एक सप्ताह में ही 330 से अधिक ने ट्रेनों में कराया रिजर्वेशन

अलीगढ़, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जाने के प्रति कम हुआ यात्रियों का रुझान फिर बढ़ गया है। एक सप्ताह में ही अलीगढ़ से जम्मू जाने के लिए 330 से अधिक यात्रियों ने ट्रेनों में रिजर्वेशन कराकर अपनी सीट बुक कराई है।

पहलगाम में आतंकी हमले की घटना के बाद असुरक्षा की भावना के चलते यात्रियों ने ट्रेनों में अपने रिजर्वेशन निरस्त कराना शुरू कर दिया था। अलीगढ़ से जम्मू के लिए जम्मू तवी एक्सप्रेस और उधमपुर एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें जाती हैं।

जम्मू जा रहे श्यामनगर के संजय कुमार ने बताया कि अब देश का माहौल सामान्य हो गया है। ऐसे में माता रानी के दर्शन के लिए परिवार के साथ जा रहे हैं।

जनकपुरी के विनय कश्यप ने बताया कि दोस्तों के साथ माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जा रहे हैं। पिछले दिनों आतंकी घटना के बाद परिजनों ने जाने से मना कर दिया है। तब टिकट रद्द करा दिए थे। अब माता रानी ने बुलावा भेजा है तो दर्शन के लिए जरूर जाएंगे। रेलवे रिजर्वेशन काउंटर के प्रभारी गोविंद कुमार ने बताया कि हालात सामान्य होने के बाद अब जम्मू-कश्मीर, वैष्णों देवी दर्शन को जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी है।

बेरोजगारी की खटास पर शहद ने भरी तरक्की की मिठास

आठ लाख सालाना का मुनाफा...शिवचंद्र बने युवाओं के रोल मॉडल

गोंडा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में गोंडा के केशवपुर पहड़वा निवासी शिवचंद्र सिंह एक समय पारंपरिक खेती में घाटा और रोजगार की तलाश में हिम्मत हारकर घर बैठ गए थे। लेकिन, समय बदला और आज वह युवाओं के रोल मॉडल हैं। यह सब हुआ मधुमक्खी पालन से। कुशल प्रबंधन और लगन से बेरोजगारी की खटास पर शहद की मिठास अब भारी पड़ रही है। शिवचंद्र हर वर्ष 15 सौ से दो हजार क्विंटल तक फ्लेवर्ड शहद का उत्पादन करके सात से आठ लाख रुपये शुद्ध मुनाफा कमा रहे हैं। इस काम में पत्नी कल्पना सिंह के साथ चार सहयोगी भी हाथ बटा रहे हैं। शिवचंद्र पहले एक निजी विद्यालय में पढ़ाते थे। वेतन कम था। ऐसे में घर चलाने में दिक्कत होती थी। बच्चों की पढ़ाई पर भी संकट था। उद्यान विभाग में तैनात जितेंद्र सिंह से उनकी दोस्ती थी। उन्होंने ही मधुमक्खी पालन के लिए प्रेरित किया। पहले पांच बॉक्स से कार्य शुरू किया। आज 250 से अधिक बॉक्स में मधुमक्खी पालन कर रहे हैं। एक बॉक्स से करीब छह से आठ किलो शहद मिल जाता है। गुणवत्ता के बलपर शिवचंद्र ने अपनी साख बनाई। इस कारण शहद बेचने में दिक्कत नहीं होती। वह सीधे अपने ग्राहकों तक शहद की सप्लाई करते हैं। आज लखनऊ, गोरखपुर, अयोध्या में भी 400 रुपये प्रति किलो शहद बेच रहे हैं।

नीम, तुलसी और करंज के स्वाद वाला शहद- आज शिवचंद्र के पास सरसों, यूकेलिप्टस, नीम, अजवाइन, तुलसी, जामुन, बेर, बबूल, करंज व लीची फ्लेवर का शहद उत्पादित कर रहे हैं। इसके लिए उन किसानों से समन्वय करते हैं जहां ऐसे पौधे और फसलें होती हैं। वहां मधुमक्खियों का बॉक्स लगाकर शहद तैयार करते हैं।

पहली बार पांच किलो की बिक्री- वर्ष 2020 में अपने ही खेतों में सरसों की फसल लगी थी। वहीं मधुमक्खियों को ले जाकर शहद का उत्पादन शुरू किया। उस समय बस पांच किलो शहद तैयार हुआ, जो स्थानीय बाजार में ही बिक गया। इसके बाद कृषि विज्ञान केंद्र से जानकारी ली और फ्लेवर्ड शहद का उत्पादन शुरू किया। इससे मांग बढ़ी। अब धनिया और तिल फ्लेवर्ड शहद की भी तैयारी है।

मुश्किल समय में मजबूती से डटे रहे

पहले काम छोटा था तो अपने ही फार्म से हो जाता था। मगर काम बढ़ने पर मधुमक्खियों के भोजन (फूल व पराग) के लिए एक से दूसरी फसलों व फूलों के क्षेत्र में जाने और लोगों को तैयार करने में कठिनाई आई। सबसे बड़ी समस्या क्षेत्र की जानकारी की रही। पूरे भारत के जलवायु व फसलों के अध्ययन में तीन वर्ष लग गए। अब जानकारी प्राप्त कर मधुमक्खियों को उस क्षेत्र में ले जाने के लिए खेत मालिक की स्वीकृति बड़ी बाधा रही। किसानों को समझाना होता है कि मधुमक्खी आप के खेतों व बागों में आएंगी तो फसल की पैदावार 30 से 40 फीसदी बढ़ जाएगी। इससे कुछ नुकसान नहीं होगा। मधुमक्खी परागण करती हैं, जिससे फसल के उत्पादन में वृद्धि होती है।

संस्कृति अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से लगाई थी छलांग

आगरा , एजेंसी। आगरा के सिकंदरा के पश्चिमपुरी स्थित संस्कृति अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से गिरकर युवती की मौत के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। युवती के परिचित युवक पर आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने का आरोप लगाया गया है।

रामनगर, डौकी निवासी वीरू ने केस दर्ज कराया है। कहा है कि वह छह माह से परिवार के साथ शास्त्रीपुरम में किराये पर रहा है। दो बेटियां 18 वर्षीय पूनम और 15 वर्षीय शिवानी दो माह से पश्चिमपुरी स्थित संस्कृति अपार्टमेंट के फ्लैटों में घरेलू काम करने जाती थीं। 4 मई की दोपहर अपार्टमेंट की चौथी मंजिल के फ्लैट से बड़ी बेटी की गिरकर मौत हो गई।

युवक से हुआ था झगड़ा- चंद्रकेश नामक युवक के साथ बेटी का झगड़ा हुआ था। उसने आत्महत्या के लिए उकसाया। पुलिस का कहना है कि आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जांच में सामने आया है कि युवक और युवती एक-दूसरे से परिचित थे, उनमें बातें भी होती थीं।

बचाई जा सकती थी जान

शिवानी अपनी बड़ी बहन की मौत से सदमे में है। उसका कहना था कि जब उसने बहन को जमीन पर खून से लथपथ पड़े देखा तो आसपास के लोग ऊपर से झांक रहे थे। कुछ लोग बाहर भी आए थे, लेकिन किसी ने मदद करने की कोशिश नहीं की। यहां तक कि किसी ने पुलिस भी नहीं बुलाया। वह कभी अपनी बहन को संभालती तो कभी पुलिस को कॉल लगा रही थी।

15 मिनट बाद पहुंची थी पुलिस- करीब 15 मिनट बाद पुलिस पहुंची, वह अपने दुपट्टे से खून साफ करती रही। लेकिन किसी को रहम नहीं आया। पुलिस ने एंबुलेंस बुलाई वह आधा घंटे की देरी से आई।

इसके बाद बहन को अस्पताल लेकर पहुंचे। मगर पूनम की सांसों की डोर तब तक टूट गई। शिवानी का कहना था कि अगर बहन को तुरंत इलाज मिलता तो शायद वह बच जाती।

ट्रेन की बोगी के दरवाजे से खींच ले गई मौत, युवक के साथ हुआ ऐसा हादसा...जिसे देखकर कांप गए यात्री

आगरा, एजेंसी। संपूर्णक्रांति एक्सप्रेस में सफर कर रहे युवक के साथ ऐसा हादसा हुआ, जिसे देखकर यात्री कांप गए। ये युवक बोगी के गेट पर बैठा हुआ था। झपकी आने के साथ ही वो नीचे गिर गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। फुफेरे भाई के साथ ट्रेन के दरवाजे पर बैठकर संपूर्णक्रांति एक्सप्रेस से पानीपत जा रहा युवक झपकी आने के कारण चलती ट्रेन से गिर पड़ा। इस घटना में उसकी मौत हो गई। इसके चलते फुफुरे भाई ने ट्रेन की चेन पुलिंग करके उसे बलरई-भदान के बीच रोक दिया। नगला खंगर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज फिरोजाबाद भेजा है। शुक्रवार को बिहार के थाना मनेर गांव मनेर बालूपुर निवासी उपेंद्र कुमार अपने फुफेरे भाई मोनू कुमार के साथ 12393 संपूर्णक्रांति एक्सप्रेस में सफर कर रहा था। वह राजेंद्रनगर से पानीपत हरियाणा जा रहे थे। नई दिल्ली पहुंचने के बाद उन्हें दूसरी ट्रेन से गंतव्य के लिए रवाना होना था। संपूर्णक्रांति एक्सप्रेस सुबह 6:30 बजे करीब इटावा रेलखंड बलरई-भदान रेलवे स्टेशन के मध्य से होकर गुजरी। उसी दौरान उपेंद्र कुमार अचानक चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। इससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना देख मोनू के होश उड़ गए। उसने ट्रेन की चेन पुलिंग करके रोक दिया। घटना की जानकारी मुख्य नियंत्रण कक्ष टूंडला को चालक ने दी। सूचना मिलने पर पहुंची आरपीएफ-जीआरपी की टीम ने तत्काल ही शव को कब्जे में ले लिया। कुछ ही देर बाद थाना नगला खंगर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। मृतक के भाई मोनू ने पुलिस को बताया कि उसका भाई ट्रेन के दरवाजे के पास बैठकर सफर कर रहा था। अचानक झपकी आने से वह चलती ट्रेन से नीचे गिर गया।

गोवंश को बेहोशी का इंजेक्शन लगा कर रेती में गाड़ते हैं, सिर्फ मुंह दिखता है; फिर तस्करी

गाजीपुर , एजेंसी। गाजीपुर के करंडा में गंगा नदी का दियारा करीब तीन किलोमीटर लंबा है। एक तरफ गुरैनी तो दूसरी तरफ गोसंदेपुर उपरवार। भीषण गर्मी में गंगा की धार सिकुड़ रही है। रेत के बड़े-बड़े टीले दिख रहे हैं, यही टीले तस्करों के ठिकाने है। इलाके में पुलिस की सख्ती बढ़ने पर गायों, बछड़ों और सांड़ों को इन रेत के टीलों के पास गड्ढा खोदकर दबा दिया जाता है। इसके पहले पशुओं को बेहोशी का एक इंजेक्शन लगाया जाता है, ताकि कोई हरकत न करें। इसके बाद ऊपर से रेत डाल दी जाती है। सिर्फ मुंह ही बाहर निकला रहता है ताकि वह सांस ले सकें।

इन टीलों के पास बने गड्ढे, घास-फूस के ढेर, खुरों के निशान, ताजा गोबर और चार पहिया वाहनों के टायरों के निशान तस्करी की कहानी खुद ही बयां करते हैं।

दिन ढलते ही नावों, मैजिक से पशुओं को यहां से बिहार और पश्चिम बंगाल तक पहुंचाया जाता है। करंडा थाना क्षेत्र के चोचकपुर, गोसंदेपुर, धरमरपुर, जमानिया, स्टेशन रोड, नई बाजार, तालसपुर तिराहा होते हुए ककरैत से नुआव, बिहार पहुंचा देते हैं। करीब 15 किलोमीटर लंबे इस रास्ते में गाजीपुर के करंडा और जमानिया थाना क्षेत्र, चंदौली जिले के कंदवा थाना क्षेत्र की सीमा पड़ती है।

चौंकाने वाला सच- यहां सीमा का निर्धारण ऐसा है

कि तलासपुर तिराहा से ककरैत तक की करीब पांच किमी लंबी सड़क चंदौली और गाजीपुर जिले की सीमा को साझा करती है। इसी का फायदा तस्कर उठाते हैं। सीमा विवाद से बचने के लिए पुलिस इनको नहीं रोकती या फिर यूं कह सकते हैं कि पुलिस यहां पर दिखती ही नहीं है। ककरैत में कर्मनाशा नदी के पुल के उस पार बिहार के वन विभाग की चेक पोस्ट है, उससे करीब 200 मीटर आगे नुआंव में गायों, बछड़ों और सांड़ों को रखा जाता है। बेहद कमजोर गाय बछड़ों के साथ यहां मौजूद लोगों का कहना था कि वह व्यापारी हैं, यहां पशु खरीदने आते हैं। वहां भूखे पेट बंधे किसी गोवंश के पैरों में चोट के निशान थे तो किसी के शरीर पर गाड़ी में ठूंसने पर लगी रगड़। कुछ गायों के कान पर टैग भी लगा था, जो कि बीमा करते समय कंपनी की ओर से लगाया जाता है। यहीं के एक व्यक्ति का कहना था कि वह स्वस्थ्य पशु को ही खरीदते हैं, बाकी बंगाल और बिहार के कसाई ले जाते हैं। अब ये पशु कहां से आते हैं, कौन लाता है, इस सवाल पर सब चुप्पी साध गए और धीरे-धीरे वहां से चले गए।

बिहार राज्य से गाजीपुर जिले की सीमा साझा होती है। पुलिस से बचने के लिए पशुओं को एक-एक करके जमानिया तक पहुंचाया जाता है। इसके लिए अलग-अलग रास्ते हैं। तस्करों के साथ काम कर चुके बबलू ने बताया कि - करंडा से एक पशु बिहार जहां मेला लागे ला, वहां पहुंचाए पर 3500 रुपये मिलेला। अगर दो मवेशी पहुंचावे के मिलल त सात हजार मिल जाइए। 24 घंटा में तीन चक्कर कईल जाला। अगर सैदपुर से मवेशी बिहार तक पहुंचावे पर 12 से 13 हजार रुपया मिल जाला। बिहार में मेला से ट्रक पर मवेशी कलकत्ता भेजल जाला। अब त इ काम छोड़के दूसरे वाहन चलाकर परिवार क भरण पोषण करत हई। युवक का कहना था कि अब रेट बढ़ गए हैं।

बिहार में यही पशु 30 से 40 हजार रुपये में बेचा जाता है। आगे जाने पर उसकी कीमत और बढ़ जाती है। पुलिस से बचने के लिए फर्जी कागज भी तैयार रखे जाते हैं। जिस थाना क्षेत्र में सख्ती कम होती है, वहां पर दिन में भी पशुओं को उठाया जाता है।

आशियाने पर महंगाई की मार, ईंट हुई 200 रुपये महंगी प्रति हजार

सहारनपुर, एजेंसी। बेमौसम बरसात का ईंट भट्ठों पर विपरीत असर पड़ा है। इसके चलते ईंटों के भाव में 200 रुपये प्रति हजार की बढ़ोतरी हो गई है। पहले जहां ईंट का रेट करीब 5000 रुपये प्रति हजार चल रहा था। अब वह बढ़कर 5200 रुपये तक पहुंच गया है।

बेमौसम बरसात से भट्ठों में रखी कच्ची ईंट खराब हो गई। कई भट्ठों पर तो कच्ची ईंटों का यह नुकसान 90 प्रतिशत तक रहा। कच्ची ईंटों में हुए नुकसान के चलते अब भट्ठों में फुंकाई कार्य भी प्रभावित हुआ है। सहारनपुर ईंट एवं टाइल्स निर्माता समिति के अध्यक्ष चौधरी बख्तावर सिंह ने बताया कि बेमौसम बरसात से ईंट भट्ठों को काफी नुकसान हुआ है। उनके भट्ठों पर छह लाख कच्ची ईंटों में से मात्र 20 हजार ही सही सलामत बची हैं, शेष ईंट बारिश से खराब हो गईं।

इसके चलते ईंट भट्ठों पर फुंकाई कार्य एक सप्ताह में बंद होने की संभावना है, जबकि सामान्य दिनों में यह कार्य 20 जुलाई तक चलता था। इससे भट्ठों पर ईंट का औसत रेट 5000 रुपये से बढ़कर 5200 रुपये प्रति हजार हो गया है।

मीट की दुकानों पर मिला बर्ड फ्लू संक्रमण, 350 मुर्गों को दफनाया- पहली बार इनमें मिला

गोरखपुर , एजेंसी। शहर में मीट की दुकानों पर बर्ड फ्लू के संक्रमण की पुष्टि हुई है। इसके बाद नगर निगम, जिला प्रशासन, चिकित्सा और पशुपालन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर मुर्गों को दफनाया। हालांकि, यह संक्रमण मुर्गों में नहीं बल्कि दुकान पर इस्तेमाल किए जाने वाले सामान में मिला है। पिछले दिनों पशुपालन विभाग की टीम ने शहर में संचालित मीट की दुकानों से सैंपल लेकर राष्ट्रीय उच्च पशुरोग संस्थान, भोपाल भेजा था। शुक्रवार की रात इसकी रिपोर्ट आई। इसके बाद शनिवार की सुबह नगर निगम, प्रशासन और पशु विभाग की टीम ने सबसे द्यमेडिकल कॉलेज स्थित झुगिया चुंगी के पास लगने वाले बाजार में मीट की दुकानों से करीब 350 मुर्गों को मारकर दफन कर दिया। इसके बाद तारामंडल,भगत चौराहा और एल्युमिनियम फैक्ट्री के पास भी मुर्गों को मारकर दफन कर दिया गया।

आगरा पुलिस की रात को दो अलग-अलग क्षेत्रों में मुठभेड़, रंगबाज और गोकश गोली लगने से घायल

आगरा, एजेंसी। आगरा के लोहामंडी और रकाबगंज थाना क्षेत्रों में पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान रंगबाज और गोकश को दबोच लिया। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से दो घायल हुए हैं।

आगरा कमिश्नरेट सिटी जोन में शनिवार तड़के चेकिंग के दौरान पुलिस की लोहामंडी और रकाबगंज क्षेत्र में बदमाशों से मुठभेड़ हुई। इनमें रंगबाजी में गोलीबारी करने वाले दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी, जबकि रकाबगंज में एक बदमाश गोली से घायल हुआ है। आवास विकास कॉलोनी में शुक्रवार की रात आपसी विवाद में फायरिंग करने वाले तीन युवकों में से दो को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करने का दावा किया है, जबकि रकाबगंज में स्कूटी सवार दो युवकों को चेकिंग के दौरान रोके जाने पर पुलिस पर फायर कर दिया, जवाबी फायरिंग में इमरान घायल हो गया। पुलिस का कहना है दोनों ही अपराधी प्रवृत्ति के हैं। स्कूटी से मांस बराबर मत किया है जो गौ मांस प्रतीत होता है

गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
(पूर्व में पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड विदित)

पंजीकृत कार्यालय: 6वां तल, बी बिल्डिंग, गंगा टुनो, लोहेगांव, पुणे, महाराष्ट्र 411014,
शाखा कार्यालय: 2बी, 1617, दिल्ली रोड, महाराजा पैलेस के पास, अहमद बाग, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश- 247001

ई-नीलामी बिक्री सूचना
सुरक्षित अचल संपत्ति की बिक्री
सरफैसी अधिनियम के अन्तर्गत

ई-नीलामी बिक्री सूचना सिक्योरिटाइजेशन और वित्तीय संपत्तियों के पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 ('अधिनियम') के तहत सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 और 9 के साथ सार्वजनिक को और विशेष रूप से उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/ बंधककर्ता(ओं)/गारंटर(रों) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ, जो **गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, जिसका नाम 17 नवम्बर 2023 से गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड में बदला गया है, और पहले मैग्मा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता था और मूल रूप से GE मनी हाउसिंग फाइनेंस पब्लिक लिमिटेड कंपनी के नाम से स्थापित था)** द्वारा बंधक रखी गई हैं, (जो कि 'सुरक्षित ऋणदाता' के रूप में अधिनियम के तहत संदर्भित किया जाता है), जिनकी कब्जा अधिकारिता सुरक्षित ऋणदाता के अधिकृत अधिकारी द्वारा अधिनियम की धारा 13(12) के तहत सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 8 और 9 के साथ प्राप्त की गई है, और अधिनियम की धारा 13(2) के तहत नोटिस के बाद, उन्हें बेचा जाएगा।

बिक्री के विवरण: सुरक्षित संपत्तियाँ 'जैसा है जहाँ है', 'जैसा है जैसा है', और 'जो कुछ है वही है' के आधार पर **24.05.2025** को ई-नीलामी के माध्यम से बेची जाएँगी। यह सार्वजनिक को सूचित किया जाता है कि बिक्री https://www.bankeauctions.com. वेबसाइट पर प्रदान किए गए ई-नीलामी प्लेटफार्म के माध्यम से की जाएगी।

बिक्री के विस्तृत शर्तों और नियमों के लिए, कृपया GHFL के/सुरक्षित ऋणदाता की वेबसाइट पर दिए गए लिंक का संदर्भ लें: www.grihumhousing.com.

क्र. सं.	प्रस्ताव संख्या ग्राहक का नाम [ए]	मांग सूचना की तिथि एवं बकाया राशि [बी]	कब्जे का प्रकार [सी]	सम्पत्ति का विवरण [डी]	आरक्षित मूल्य [ई]	ईएमडी (आरक्षित मूल्य का 10%) [एफ]	ईएमडी प्रस्तुत करने की तिथि [जी]	वृद्धि बोली [ए]	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय [आई]	नीलामी की तिथि और समय [जे]	ज्ञात बंधन/कोर्ट मामले यदि कोई हों [के]
1.	ऋण संख्या: HL005401000000050 15767 महकार (ऋणधारक) खुसनुमा	सूचना तिथि: 07.11.2024 कुल बकाया: रु. 11,57,972/- (रुपये ग्यारह लाख सत्तावन हजार नौ सौ बहत्तर मात्र) 07.11.2024 तक भुगतान योग्य, साथ ही 14.50% वार्षिक ब्याज जो वास्तविकता तक लागू होगा।	भौतिक	खसरा नम्बर 70 मिन, गाँव चखरेटी, परगना, तहसील व जिला सहारनपुर जिसकी माप 61.33 वर्ग यार्ड्स में स्थित मकान का सभी भाग तथा हिस्सा। **चौहद्दी इस प्रकार है: पूर्व:** श्री फैय्याज का हिस्सा। **पश्चिम:** मुमताज का हिस्सा। **उत्तर:** रास्ता 08 फीट चौड़ा। **दक्षिण:** विनोद का प्लॉट।	रु. 13,53,625/- (रुपये तेरह लाख तिरेपन हजार छह सौ पच्चीस मात्र)	रु. 1,35,362.50/- (रुपये एक लाख पैंतीस हजार तीन सौ बासठ रुपए और पचास पैसे मात्र)	30.06.2025 को सायं 5 बजे से पहले	10,000/-	23.06.2025 को (प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक)	03.07.2025 को (प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक)	शून्य

इच्छुक बोलीदाता/खरीदारों को सूचित किया जाता है कि वे सुरक्षित ऋणदाता शाखा और नीलामी संपत्तियों का दौरा करें, और अपनी जांच स्वयं करें तथा अतिरिक्त शुल्क, बकाया राशि, और किसी भी तीसरे पक्ष के हितों को स्पष्ट कर लें। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे नीलामी प्रक्रिया से पहले इन सभी पहलुओं से संतुष्ट हैं। संपत्ति से संबंधित सभी कानूनी देनदारियाँ जैसे संपत्ति कर, बिजली/पानी के बिल और अन्य बकाया राशि, यदि कोई हो, को सफल बोलीदाता द्वारा अदा किया जाएगा।

नीलामी प्रक्रिया के लिए आवश्यक पंजीकरण: इच्छुक बोलीदाता को पंजीकरण पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना अनिवार्य है और इसके लिए वे लॉगिन आईडी और पासवर्ड एडवांस में प्राप्त करेंगे, जो ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आवश्यक है। पंजीकरण करने के लिए बोलीदाता को नीलामी सेवा प्रदाता C1 India Pvt Ltd से संपर्क करना होगा। सेवा प्रदाता का संपर्क विवरण: पता: प्लॉट नं 68, तीसरी मंजिल, गुड़गांव, हरियाणा-122003, हेल्पलाइन नंबर: 7291981124, 25, 26, ईमेल: Support@bankeauctions.com **सम्पर्क व्यक्ति: धरणी पी, ईमेल: dharani.p@c1india.com सम्पर्क नम्बर: 9948182222** । कृपया ध्यान दें कि संभावित बोलीदाता केवल उनसे ई-नीलामी पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। आवश्यक दस्तावेज और पंजीकरण: इच्छुक खरीदार/बोलीदाता को गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के खाता में एर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (EMD) का भुगतान करना होगा। यह भुगतान NEFT/RTGS/DD के माध्यम से ICICI बैंक में किया जाएगा: बैंक: ICICI बैंक लिमिटेड, खाता नम्बर: 000651000460, IFSC कोड: ICIC0000006, पता: 20, R.N. मुखर्जी रोड, कोलकाता-700001, भुगतान की अंतिम तिथि: 30.06.2025 साथ ही, इच्छुक बोलीदाता को https://www.bankeauctions.com पर अपना नाम पंजीकृत कराना होगा और मुफ्त में उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड प्राप्त करना होगा। बोलीदाता को सेवा प्रदाता से ई-नीलामी पर प्रशिक्षण भी प्राप्त करना होगा। पंजीकरण के बाद, बोलीदाता को निम्नलिखित दस्तावेजों की प्रति अपलोड करनी होगी और स्वयं प्रमाणित हार्ड कॉपी को निम्नलिखित पते पर भेजना होगा: **पता: 2B, 1617, दिल्ली रोड, महाराजा पैलेस के पास, अहमद बाग, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश- 247001, मोबाइल नम्बर: +91 9657443073, ईमेल आईडी: rohan.savala@grihumhousing.com, अधिक जानकारी के लिए: नीलामी के शर्तों और नियमों के लिए, कृपया निम्नलिखित वेबसाइट पर जाएं: https://www.bankeauctions.com एवं www.grihumhousing.com पर जाएं और ई-नीलामी में भाग लें।**

यह सूचना 30 दिन का नोटिस के रूप में माना जाए, जैसा कि सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम-2002 के नियम 8(6) के तहत उधारकर्ता/ सह-उधारकर्ता/ बंधककर्ता(ओं)/गारंटर(रों) को दिया गया है।

तिथि: 01.06.2025 स्थान: सहारनपुर

हस्ता./- प्राधिकृत अधिकारी, गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड विदित)